रजिस्ट्री सं. डीएल—(एन) 04/0007/2003--22 REGISTERED No. DL—(N) 04/0007/2003—22

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-10122022-240959
CG-DL-W-10122022-240959

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 10—दिसम्बर 16, 2022 (अग्रहायण 19, 1944)
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 10—DECEMBER 16, 2022 (AGRAHAYANA 19, 1944)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	989
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1051
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	3779
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	11151
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	465
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	3349
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	989
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1051
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	3779
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	11151
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	465
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	3349
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2022

सं. 298-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "बार टू सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. आईसी-79987पी मेजर अर्चित शर्मा, सेना मेडल, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 42वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
2. एसएस-45267एफ मेजर नरेंद्र सिंह वाल्डिया, सेना मेडल, दि इंजीनियर्स कोर, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 299-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. आईसी-61584एम लेफ्टिनेंट कर्नल विवेक कुमार द्विवेदी, दि तोपखाना रेजिमेंट, 663 सेना विमानन स्कवार्डन (आर एंड ओ)
2. आईसी-64666ए लेफ्टिनेंट कर्नल सुधांशु ध्यानी, 671 सेना विमानन स्कवार्डन (आर एंड ओ)
3. आईसी-69735पी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसून सिंह, पांचवीं बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट
4. आईसी-73245 वाई मेजर अंगद सिंह बहल, 14वीं बटालियन दि जाट रेजिमेंट
5. आईसी-74504एच मेजर वैभव भटनागर, तीसरी बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट
6. आईसी-74932एफ मेजर साहिल कुमार, चौथी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
7. आईसी -75304वाई मेजर पार्थ चंदेल, दि बिहार रेजिमेंट, 24वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
8. आईसी-76030एल मेजर विवेक कम्बोज, दि ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
9. आईसी-76223एल मेजर मृत्युंजय कटोच, दि गढ़वाल राईफल्स, 14वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
10. आईसी-77079एन मेजर सुदीप कुमार, दि सिख रेजिमेंट, 46वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
11. आईसी-77745एन मेजर दिव्य अग्रे, दि गढ़वाल राईफल्स, 14वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
12. आईसी-77891एन मेजर ऋषव जम्वाल, दि गढ़वाल राईफल्स, 14वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
13. आईसी-78485ए मेजर अनुज वीर सिंह, दि जाट रेजिमेंट, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
14. आईसी-78845एल मेजर प्रभजोत सिंह सैनी, दि राजपूताना राईफल्स, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
15. आईसी-78995एफ मेजर मंदीप के नरवाल, दि गढ़वाल राईफल्स, 48वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
16. आईसी-79067एक्स मेजर आकाश सेन, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री, 19वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
17. आईसी-79105एच मेजर अरुन कुमार, दि सेना सेवा कोर, प्रथम बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

18. आईसी-79330एक्स मेजर अभिनव नेहरा, दूसरी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
19. आईसी-79540एक्स मेजर राजेश रावत, दि महार रेजिमेंट, प्रथम बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
20. आईसी-80016डब्ल्यू मेजर नवनीत सिंह, प्रथम बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
21. आईसी-80243डब्ल्यू मेजर विजय सिंह, दि कवचित कोर, 6 असम राईफल्स
22. आईसी-80252एक्स मेजर आदित्य बिष्ट, दि असम रेजिमेंट, 42वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
23. आईसी-80408के मेजर संकल्प यादव, दि तोपखाना रेजिमेंट, 33 आर एंड ओ फ्लाईट (मरणोपरांत)
24. आईसी-80786एच मेजर अपरान्त रौनक सिंह, दि राजपूताना राईफल्स, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
25. एसएस-45386एक्स मेजर सोबम किनोबाबू सिंह, दूसरी बटालियन दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
26. एसएस-46781एक्स मेजर जसमीत सिंह भाटिया, दि इंजीनियर्स कोर 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
27. एसएस-46920 डब्ल्यू मेजर विकास कुमार, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, 13वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
28. एसएस-47347एक्स मेजर दिनेश ए, दि इंजीनियर्स कोर, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
29. एसएस-48363एफ मेजर इरनगबम विशाल मैती, 19वीं बटालियन दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स
30. आईसी-81509के कैप्टन अनचित सरप्रताप रत्तानी, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
31. आईसी-81543के कैप्टन निखिल मनचन्दा, दूसरी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
32. आईसी-81990एन कैप्टन आबिद सोहेल, दि सिग्नल कोर, 13वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
33. आईसी-83037एक्स कैप्टन ऋषभ धुंगाना, दि सिग्नल कोर, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
34. एसएस-48569वाई कैप्टन श्रीवत्सन के, 3 गोरखा राईफल्स, 6 असम राईफल्स
35. एसएस-50334एल कैप्टन मुश्ताक उल इसलाम खान, 12वीं बटालियन दि जाट रेजिमेंट
36. जेसी-531611वाई सूबेदार राम सिंह, दि गढ़वाल राईफल्स, 48वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
37. जेसी-414161एफ नायब सूबेदार संदीप कुमार, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
38. जेसी-414747एक्स नायब सूबेदार कैलाश जोशी, दूसरी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
39. जेसी-414858पी नायब सूबेदार दलजीत सिंह, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
40. जेसी-511642एक्स नायब सूबेदार गुरसेव सिंह, 8वीं बटालियन दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री
41. 13625536वाई हवलदार राजेन्द्र सिंह, दूसरी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
42. 13625885एच हवलदार मनीष धुलिया, चौथी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
43. 15574194एक्स हवलदार सोनित कुमार सैनी, 102 इंजीनियर रेजिमेंट (मरणोपरांत)
44. 2707433वाई हवलदार ओम प्रकाश, दि ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
45. 3008771एम हवलदार अशोक कुमार, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
46. 4198232ए हवलदार भुपेन्द्र चंद, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, 13वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
47. 4374196एल हवलदार आर बिथुन्गो लोथा, दि असम रेजिमेंट, 2 अरुणाचल स्काउटस
48. 19000105पी लांस हवलदार मेजर सिंह, चौथी बटालियन दि सिख रेजिमेंट
49. 14936282एफ नायक जगजीत सिंह, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
50. 14943356एन नायक नोरडेन लेपचा, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
51. 14945626डब्ल्यू नायक आकाश साधोत्रा, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
52. 15506482एल नायक सरबजीत सिंह, दि कवचित कोर, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

53. 15586762के नायक बनवारी लाल राठौर, 270 इंजीनियर रेजिमेंट (मरणोपरांत)
54. 15627254एल नायक भुवा राजुभाई रामभाई, दि ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
55. 16025067एम नायक ललित सिंह शेखावत, दि राजपूताना राईफल्स, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
56. 20001165ए नायक भुपिंदर सिंह, दूसरी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
57. 2702103डब्ल्यू नायक अमित कुमार, दि ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
58. 2705182एफ नायक गुड्डू कुमार, दि ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
59. 3004862वाई नायक संजीव कुमार, तीसरी बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट
60. 3009616एक्स नायक शक्ति सिंह, तीसरी बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट
61. 3010624एच नायक महिपाल सिंह, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
62. 3011202के नायक केसर सिंह, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
63. 9113397वाई नायक सरताज अहमद वागे, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
64. 14943132एन लांस नायक सुतिंदर सिंह, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 42वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
65. 20003657एक्स लांस नायक सतीश कुमार, दि डोगरा रेजिमेंट, 62वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
66. 3207917एम लांस नायक परवीन सिंह, दि जाट रजिमेंट, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
67. 3210824एच लांस नायक प्रमोद लाम्बा, दि जाट रजिमेंट, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
68. 14946550एन सिपाही विकास खत्री, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
69. 14946768ए सिपाही दलविंदर सिंह, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
70. 17008035के सिपाही शशांक सेखर सामल, 233 (स्वतंत्र) फिल्ड वर्कशॉप कम्पनी (मरणोपरांत)
71. 19007958पी सिपाही जगप्रीत सिंह, दि सिख रेजिमेंट, 16वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
72. 3210667एफ सिपाही आदेश सिंह, दि जाट रेजिमेंट, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
73. 3212411एक्स सिपाही अमरजीत, दि जाट रेजिमेंट, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
74. 3212462एल सिपाही चैना राम, दि जाट रेजिमेंट, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
75. 4207965एच सिपाही नरेंद्र शर्मा, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
76. 16028779ए राइफलमैन लखन सिंह, दि राजपूताना राईफल्स, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
77. 16029756एल राइफलमैन दीपक फोगाट, दि राजपूताना राईफल्स, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
78. 9118601डब्ल्यू राइफलमैन शेख शाहबाज युसुफ, प्रथम बटालियन दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
79. 9119389डब्ल्यू राइफलमैन इशान हुसैन खान, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री, 19वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
80. 15510094एल सवार राजबीर सिंह तंवर, दि कवचित कोर, 24वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
81. 16126917एम सेपर हनमंत धारेप्पा अयाती, दि इंजीनियर्स कोर, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 300-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "नौ सेना मेडल/नेवी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. विनीत कुमार, एल ए (ए एच) 243807-एच

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 301-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल/एयर फोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. ग्रुप कैप्टन राहुल सिंह (27001), उड़ान (पायलट)
2. ग्रुप कैप्टन रवि नंदा (27686), उड़ान (पायलट)
3. विंग कमांडर दीपिका मिश्र (29283), उड़ान (पायलट)
4. स्क्वाड्रन लीडर दिलीप गुरनानी (33566), प्रशासन/फाइटर कंट्रोलर (गरूड)
5. फ्लाइट लेफ्टिनेंट डी रविंद्र राव (35147), उड़ान (पायलट)
6. 912788 सार्जेंट परमेन्दर सिंह परमार, फ्लाइट गनर
7. 924678 सार्जेंट श्याम वीर सिंह, भारतीय वायु सेना (गरूड)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 302 -प्रेज/2022—राष्ट्रपति, सेनाध्यक्ष से रक्षा मंत्री द्वारा "मेंशन इन डिस्पेचेस" प्राप्त करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों / कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देते हैं:—

ऑपरेशन रक्षक

1. IC-77698एफ मेजर सशबिन्द सिंह पाल, दि मराठा लाईट इन्फैन्ट्री, 17वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
2. IC-77779एफ मेजर अभिषेक त्यागी, दि ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
3. IC-77796एफ मेजर अक्षय प्रकाशराव पोतराजे, तीसरी बटालियन दि गोरखा राईफल्स
4. IC-78814एल मेजर रवि राजन, सेना मेडल, चौथी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
5. IC-79932एल मेजर जाधव प्रतीक बलीराम, दि तोपखाना रेजिमेंट, 19वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
6. एसएस-45292ए मेजर विभोर जोशी, सेना मेडल, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
7. आईसी-82774एम कैप्टन निखिल शर्मा, चौथी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
8. आईसी-84228वाई कैप्टन शाश्वत सिंह, 19वीं बटालियन दि कुमाऊँ रेजिमेंट
9. एसएस-49498पी कैप्टन कार्तिकेय चमोली, दि सिग्नल कोर, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
10. एआर-425वाई असिस्टेंट कमांडेन्ट मोहम्मद शफीक, 26 असम राईफल्स
11. जेसी-812497डब्ल्यू सूबेदार संदीप कुमार, 31 संयुक्त आसूचना इकाई
12. 13623884एफ हवलदार राजेन्द्र प्रसाद, चौथी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
13. 3003092एल हवलदार महताव सिंह गुर्जर, 5वीं बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट
14. 3998063पी हवलदार अनिल कुमार, दि डोगरा रेजिमेंट, 62वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
15. 4003037एल हवलदार अश्वनी कुमार, दि डोगरा रेजिमेंट, 11वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
16. 12974838एक्स नायक तारिक अहमद लोन, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री, प्रथम बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
17. 18007112एक्स नायक कमलेश सिंह धामी, दि इंजीनियर्स कोर, तीसरी बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
18. 4203305एन नायक मदन सिंह बिष्ट, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
19. 13630005एल लांस नायक मुदासीर अहमद यट्टु , चौथी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
20. 4205519एच लांस नायक मनप्रीत सिंह, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, 13वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
21. 20011021एल सिपाही सौरव कुमार, 15वीं बटालियन दि डोगरा रेजिमेंट

22. 15240360पी गनर सुख दीप सिंह, दि तोपखाना रेजिमेंट, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

23. 74बी7 आर्मी डॉग एक्सल, 26 आर्मी डॉग युनिट (मरणोपरांत)

ऑपरेशन स्नो लेपार्ड

24. आईसी-77665 डब्ल्यू मेजर सिसिल के जोस, 9वीं बटालियन दि डोगरा रेजिमेंट

25. आईसी-77901एम मेजर रविन्द्र शर्मा, दि इंजीनियर्स कोर, मुख्यालय एस एफ एफ

26. एसएस-45290पी मेजर साकलकर प्रतर्दन गोपाल, दि तोपखाना रेजिमेंट, मुख्यालय एस एफ एफ

27. 5351895ए हवलदार ममित गुरुँग 11 गोरखा राईफल्स, प्रथम सिक्किम स्काउटस

28. 13774706डब्ल्यू नायक वनकायाला सुधाकर, 19वीं बटालियन दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स

29. 19000743एन नायक सतनाम सिंह, 16वीं बटालियन दि सिख रेजिमेंट

ऑपरेशन राइनो

30. आईसी-73846के मेजर हरेंदर सिंह तन्वर, दि तोपखाना रेजिमेंट, 38आर एंड ओ फ्लाईट

ऑपरेशन ओर्चिड

31. आईसी-81901के कैप्टन आदित्य प्रकाश वीपी, दि महार रेजिमेंट, 5 असम राईफल्स

32. जी/5019420के राइफल मैन पूरन सिंह, 5 असम राईफल्स

ऑपरेशन फालकन

33. JC-492431एक्स नायब सूबेदार विशनपाल सिंह, 14वीं बटालियन दि जाट रेजिमेंट

34. 15329982एल हवलदार जी ईलनगोवन, 14 इंजीनियर रेजिमेंट

ऑपरेशन हिफ़ाजत

35. आईसी-73968एन मेजर अमित कुमार मिश्रा, दि राजपूत रेजिमेंट, 31असम राईफल्स

36. एसएस-47134के मेजर भरत सिंह अधवारिया, दि इंजीनियर्स कोर, 43 असम राईफल्स

ऑपरेशन त्रिकुट (देवघर)

37. आईसी-85491डब्ल्यू लेफ्टिनेंट देवेश जोशी, प्रथम बटालियन दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री

38. 15574764एच हवलदार कदम विजय यशवंत, 107 इंजीनियर रेजिमेंट

39. 9111652एफ हवलदार गुरदेव सिंह, प्रथम बटालियन दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री

ऑपरेशन कैस्वुलिटि इवैकुयेशन

40. आईसी-72023 एक्स मेजर वरुण वर्मा, 27 (स्वतंत्र) आर एंड ओ फ्लाईट

41. आईसी-72294पी मेजर रोहित कुमार, 27 (स्वतंत्र) आर एंड ओ फ्लाईट

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 303-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, वायु सेनाध्यक्ष से रक्षा मंत्री द्वारा "मेंशन इन डिस्पेचेस" प्राप्त करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों / कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देते हैं:—

1. विंग कमांडर अभिषेक पुजारी (30605) वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 304 -प्रेज/2022—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्य के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. 15486168एन नायक देवेंद्र प्रताप सिंह, दि कवचित कोर, 55 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 29 जनवरी 2022)

दिनांक 29 जनवरी 2022 को लगभग 1510 बजे पुलवामा जिले (जम्मू और कश्मीर) के एक गाँव में आतंकवादियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना प्राप्त होने पर नायक देवेंद्र प्रताप सिंह ने असाधारण सामरिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए अभेद घेराबंदी का निर्माण किया।

तलाशी के दौरान नायक देवेंद्र प्रताप सिंह पर आधुनिक हथियारों से लैस चार आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलियां चलाई। इसके बावजूद वह अपने स्थान पर डटे रहे और आतंकवादियों की गोलियों का सामना करते हुये जवाबी फायर किया और उनको भागने से रोका। नायक देवेंद्र प्रताप सिंह अदम्य साहस का प्रदर्शन और अपनी जान की परवाह न करते हुए, अंधाधुंध गोलीबारी के बीच रेंगते हुए आगे बढ़े और लक्षित घर में छुपे हुए आतंकवादियों से तीन मीटर दूरी पर पोजिशन ले ली। इसको देख आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी और ग्रेनेड फेंकते हुए घर से बाहर उनके सामने आ गए। परन्तु नायक देवेन्द्र सिंह ने असाधारण वीरता का प्रदर्शन करते हुए आमने-सामने की लड़ाई में मौके पर ही एक आतंकवादी को मार गिराया। इसके तुरन्त बाद उन्होनें भागते हुए दूसरे आतंकवादी को देखकर अपनी पोजिशन बदली और सटीक गोलीबारी से दूसरे आतकवादी को भी मार गिराया। बाद में दोनों आतंकवादियों की पहचान कैटगिरी ए++ और कैटगिरी सी आतंकवादी के रूप में हुई।

अदम्य साहस, असाधारण समर्पण और उत्कृष्ट कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन कर दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने के लिए नायक देवेंद्र प्रताप सिंह को "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है ।

2. श्री सुदीप सरकार, आरक्षी/जीडी, बीएसएफ (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 07 नवंबर, 2020)

दिनांक 07/08 नवम्बर 2020 की रात्रि में, श्री सुदीप सरकार, आरक्षी/जीडी 169 बटालियन, बीएसएफ, कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ रोधी बाधा प्रणाली (एआईओएस) के पास गश्ती और घात दल के साथ तैनात थे। दल का मार्गदर्शन करते हुए श्री सुदीप सरकार ने सशस्त्र घुसपैठियों को एआईओएस की ओर बढ़ते हुए देखा। चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने रिज पर एक ऊंचे स्थान से पर्याप्त सुरक्षा आड़ के साथ भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा आड़ के बिना गोलीबारी का सामना करते हुए श्री सुदीप सरकार, आरक्षी/जीडी ने चतुराई से आतंकवादियों पर गोलीबारी करना जारी रखा लेकिन गोली और ग्रेनेड विस्फोट की चोटों के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद, श्री सुदीप सरकार ने साहस का परिचय देते हुए आमने-सामने की लड़ाई में एक आतंकवादी को मार गिराया, किन्तु इस भिड़ंत में घायल होने के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

श्री सुदीप सरकार ने बीएसएफ की श्रेष्ठतम परंपरा के अनुसार, अपनी जान की परवाह न करते हुए और कर्तव्य से भी परे जाकर असाधारण शौर्य, पराक्रम, आत्म बलिदान और निर्भयता का प्रदर्शन किया, जिसके लिए उन्हें मरणोपरांत "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है ।

3. श्री पॉटिंगसैट गुइटे, उपनिरीक्षक (जीडी), बीएसएफ (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 1 दिसंबर, 2020)

30 नवंबर, 2020 को श्री पॉटिंगसैट गुइटे, एसआई (जीडी) के नेतृत्व में 59 बटालियन, बीएसएफ की घातक टीम के 24 घंटे वाले विशेष घात दल को 120 इंफैन्ट्री बीडीई के आर्मी ऑपरेशन कंट्रोल के तहत एलओसी पर अत्यधिक संवेदनशील दमइकुश बाउल में आतंकवादियों के संभावित घुसपैठ मार्ग के पास तैनात किया गया था।

दिनांक 1 दिसंबर, 2020 को लगभग 0835 बजे दमइकुश नाला (पाकिस्तानी क्षेत्र) की ओर से घातक दल पर गोलीबारी की गई। श्री पॉटिंगसैट गुइटे, एसआई (जीडी) ने फौलादी इरादों का परिचय देते हुए, स्थिति पर तत्काल नियंत्रण कर लिया। उन्होंने घात लगाकर हमला करने की फिर से योजना बनाई और उबड़-खाबड़ जमीन एवं घनी झाड़ियों तथा बारूदी सुरंगों के बावजूद आतंकवादी समूह की ओर प्रभावी, तेज और आक्रामक जवाबी फायरिंग की। दुश्मन को उलझाए रखने की चाल चलने के दौरान श्री पॉटिंगसैट गुइटे, एसआई (जीडी) के शरीर के ऊपरी भाग में गोली लगी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया और वीरगति को प्राप्त होने से पहले एक आतंकवादी को मार गिराया। उन्होंने राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

पूरे ऑपरेशन के दौरान, श्री पॉटिंगसैट गुइटे, एसआई (जीडी) के शानदार नेतृत्व में तीन आतंकवादी मारे गए। कर्तव्य से भी ऊपर उठकर और अपनी जान जोखिम में डालकर विशिष्ट शौर्य, निडरता और पराक्रम का उनका प्रदर्शन सेना की उच्चतम परंपराओं के अनुरूप है। श्री पॉटिंगसैट गुइटे, एसआई (जीडी) को मरणोपरांत "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है ।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 305 -प्रेज/2022—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को वीरतापूर्ण कार्य के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. आईसी-72252एच मेजर नितिन धानिया, दूसरी बटालियन दि पैराशुट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 13 दिसम्बर 2021)

दिनांक 13 दिसंबर 2021 को मेजर नितिन धानिया को सेना के काफिले पर होने वाले आतंकवादी हमले को रोकने के लिए दक्षिण कश्मीर के भीड़भाड़ वाले इलाके में एक सर्जिकल ऑपरेशन की जिम्मेदारी दी गयी ।

लगभग 1330 बजे, नागरिकों की वेशभूषा में छुपे हुए दो संदिग्ध आंतकियों को मेजर नितिन धानिया ने पहचान लिया। नागरिकों और सेना के काफिले की सुरक्षा को देखते हुए मेजर नितिन धानिया अपने साथी के साथ सावधानी से आतंकियों की तरफ बढ़े और चतुराई का परिचय देते हुये उन्हें ललकारा। इसके जवाब में आतंकवादियों ने स्वचलित मशीनगन से उनके ऊपर भारी गोलीबारी शुरु कर दी। इसको देखते हुए मेजर नितिन और उनके साथी ने तुरंत आतंकियों को पकड़ लिया और उन्हें हाथापाई में उलझा लिया। इस हाथापाई में मेजर नितिन धानिया ने एक आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान बाद में कैटगिरी 'ए+' आतंकवादी के रूप मे की गई। इसी दौरान दूसरे आतंकवादी को अपने साथी की तरफ भागते हुए और उसके जीवन पर संभावित खतरे की आशंका को देखते हुए मेजर नितिन ने एक सटीक निशाने से दूसरे आतंकी को भी मार गिराया, जिसकी पहचान बाद मे कैटगिरी 'ए' आतंकवादी के रूप में हुई ।

मेजर नितिन धानिया ने इस ऑपरेशन मे अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए, निपुण सैनिक कौशल के साथ अतुलनीय साहस, धैर्य और विशेष वीरता का प्रदर्शन किया। उन्होंने सेना के काफिले व नागरिकों पर होने वाले हमले को विफल किया । मेजर नितिन धानिया को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

2. आइसी-78962डब्ल्यु मेजर अमित दहिया, सेना मेडल, प्रथम बटालियन दि पैराशुट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 28 जुलाई 2021)

जनरल अफसर कमांडिंग, काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स (वि) और खुफिया संस्थाओं से सूचना मिलने पर मेजर अमित दहिया, सेना मेडल, को एक खोजी और डिस्ट्रोय टुकडी का नेतृत्व दिया गया। इस टुकड़ी को हंगलमर्ग इलाके में आतंकवदियों को ढूंढकर मार गिराने की जिम्मेदारी सौपी गई।

31 जुलाई 2021 को अधिकारी ने अपनी असाधारण और अभूतपुर्व योजना का प्रदर्शन करते हुए, आतंकवादियों को भनक लगे बगैर अपनी टुकड़ी को प्रतिकूल मौसम और अप्रत्याशित रास्ते का चुनाव करते हुए, ढोक इलाके में तैनात कर दिया। उन्होंने अपने स्नाईपर टुकडी को एक ऐसे इलाके में तैनात किया जहां से किसी के बचकर निकलने की कोशिश को निरस्त किया जा सके। लगभग 0605 बजे, अधिकारी ने ढोक इलाके में संदेहजनक हलचल देखी। ख़तरे को भापतें हुए, आतंकवादी ढोक से बाहर निकले और कुछ नागरिकों को ढाल बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। अपनी टुकड़ी और नागरिकों पर खतरे को देखते हुए, मेजर अमित दहिया, सेना मेडल, ने सामरिक युद्ध कौशल का परिचय दिया तथा अपने साथी के साथ समन्वय बनाकर अपनी पोजीशन को बदला और एक आतंकवादी को सटीक गोलीबारी से मार गिराया। तत्पश्चात उन्होनें प्रभावी गोलीबारी में सहायता करते हुए दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मेजर अमित दहिया, सेना मेडल, द्वारा असाधारण नेतृत्व, अतुलनिय साहस, उत्कृष्ट रणनीति एवं सामरिक विशिष्टता का उत्तम उदाहरण दिए जाने के लिए "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

3. आईसी-80532एल मेजर संदीप कुमार, दि ग्रेनेडियर्स, 55 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 जनवरी 2022)

मार्च 2020 से बटालियन के पांच सफलतापूर्वक ऑपरेशन के आयोजन के दौरान मेजर संदीप कुमार ने भाग लिया और अनुकरणीय नेतृत्व और अदम्य साहस का प्रदर्शन किया जिसके फलस्वरुप 13 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

05 जनवरी 2022 को लगभग 0430 बजे जम्मू और कश्मीर के पुलवामा जिले के एक गांव में विशेष ऑपरेशन के दौरान गोशाला में छुपे हुए, अत्याधुनिक राईफल्स और नाईट विजन उपकरण से लैस तीन आतंकवादीयों ने मेजर संदीप और उनकी खोजी दस्ते पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। परन्तु मेजर संदीप ने सामरिक कौशलता और सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए आंतकवादियों पर जवाबी कार्यवाही की और अपनी टीम के सभी सदस्यों को आतंकवादियों के भागने के सभी संभावित रास्तों पर स्थापित किया। मेजर संदीप, आतंकियों की अंधाधुंध गोलीबारी के वाबजूद, अपनी जान की परवाह किये बिना रेंगते हुए गोशाला के पास बिना किसी सुरक्षा कवच के खुली जगह पर पहुँच गए। यह देखकर आतंकियों ने मेजर संदीप और उनके साथी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी परन्तु अपने साथी पर गंभीर खतरे को देखते हुए अधिकारी ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने साथी को पीछे धकेला और भारी आतंकी गोलीबारी का स्वयं सामना करने लगे। उन्होंने विशिष्ट बहादुरी का परिचय दिखाते हुए, आमने सामने की गोलीबारी में एक आतंकवादी को मार गिराया और दूसरे आतंकवादी को बुरी तरह से घायल कर दिया। बाद में मारे गए आतंकवादी की पहचान कैटगिरी ए++ आतंकवादी के रूप में की गयी।

मेजर संदीप कुमार द्वारा अनुकरणीय नेतृत्व और अदम्य साहस का प्रदर्शन किये जाने के लिए उन्हें "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

4. एसएस-47677ड्बल्यू मेजर अभिषेक सिंह, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 50 वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 06 जनवरी 2022)

बटालियन में शामिल होने के बाद से मेजर अभिषेक सिंह ने चार सफलतापूर्वक ऑपरेशनों में भाग लिया और अतुलनीय साहस और कुशल नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया जिसके फलस्वरूप 09 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

दिनांक 06-07 जनवरी 2022 को जम्मू और कश्मीर के बडगांव जिले में एक ऑपरेशन ZOIU के दौरान शुरूआती सुरक्षा घेरा बनाने के लिए मेजर अभिषेक टीम का नेतृत्व कर रहे थे। इसी दौरान मेजर अभिषेक ने तीन व्यक्तियों को संदिगंध अवस्था में देखकर उन्हें ललकारा। जिस पर उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी परन्तु मेजर अभिषेक ने सामरिक कुशलता का परिचय देते हुये जवाबी कार्यवाही की और इस आक्रमण को विफल कर दिया।

पहले आतंकवादी के मारे जाने के बाद, शेष दो आतंकवादी घरों के बीच संकरी गली में छिप गये थे परन्तु खोज दल के प्रमुख मेजर अभिषेक सिंह ने स्वेच्छा से स्वयं आतंकवादियों को समाप्त करने की पहल की। जैसे ही दल आगे बढा छिपे हुए आतंकवादियों ने फयरिंग शुरु कर दी जिसकी जवाबी गोलीबारी में मेजर अभिषेक सिंह ने दूसरे आतंकवादी को प्रभावी रूप से गोली मार कर घायल कर दिया। इसी बीच तीसरे आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंका, परिणामस्वरुप मेजर अभिषेक सिंह की बायीं आंख का नजदीकी हिस्सा घायल हो गया। अत्याधिक खून बहते हुए भी उन्होंने संयम और विवेक का परिचय देते हुए दल पर फायरिंग कर रहे तीसरे आतंकवादी का पता लगा लिया। अपने साथी को गंभीर खतरे में देख अधिकारी ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर साथी को वहाँ से सुरक्षित जगह खींचकर बचाया और जवाबी गोलाबारी कर ए++ कैटगिरी के आतंकवादी को मार गिराया।

मेजर अभिषेक सिंह ने एक आतंकवादी को घायल कर और भारी हथियार से लैस दूसरे आतंकवादी को मार गिराकर सराहनीय नेतृत्व और बहादुरी का प्रदर्शन किया। मेजर अभिषेक सिंह को असाधारण नेतृत्व, अतुलनिय साहस, उत्कृष्ट रणनीति के लिए "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

5. 2693096एफ हवलदार घनश्याम, दि ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 जुलाई से 2021)

दिनांक 13 जुलाई 2021 को 2230 बजे, पुलवामा कस्बे मे आतंकवादियों की उपस्थिति की पुख्ता सूचना प्राप्त हुई थी। हवलदार घनश्याम ने अपनी सूझबूझ से इलाके मे जल्द ही एक अभेद घेरा बनाना सुनिश्चित किया और अपनी स्थिति का तुरंत पुनः समायोजन सुनिश्चित करते हुए आतंकियों के भागने के मार्गों को अवरुद्ध किया।

14 जुलाई 2021 को 0840 बजे, घेरा तोड़ने के प्रयास में आतंकवादी ने हवलदार घनश्याम और उसके साथी पर अंधाधुंध गोलियां चलाई। अपने साहस और सामरिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, हवलदार घनश्याम ने जवाबी कार्यवाही और सटीक गोलीबारी की जिससे आतंकवादी को भागने से रोका जा सका। हवलदार घनश्याम और उसके साथी ने अपनी स्वेच्छा से घर मे छुपे हुए आतंकवादी के नजदीक जाने का निर्णय लिया। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की चिंता न करते हुए और असाधारण वीरता का प्रदर्शन करते हुए, हवलदार घनश्याम ने अपने साथी के सहयोग से सीमित दूरी से एक आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान कैटगिरी ए++ के आतंकवादी के रूप में हुई।

हवलदार घनश्याम को अदम्य साहस, असाधारण समर्पण और कर्तव्य की पुकार से परे निष्ठा के परिणामस्वरूप कट्टर आतंकवादी को मार गिराने के लिए "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

6. 14941570एक्स लांस नायक राघ वेन्द्र सिंह, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरष्कार की प्रभावी तारीख : 29 दिसंम्बर 2021)

लांस नायक राघ वेन्द्र सिंह 9वीं राष्ट्रीय राईफल्स मे पोस्टड थे और 29 दिसम्बर 2021 को कुलगाम जिले के एक गांव में बटालियन द्वारा चलाए गए घेराबंदी और खोज अभियान की प्रारंभिक टोली का हिस्सा थे।

लगभग 2140 बजे, लांस नायक राघ वेन्द्र सिंह को रेडियो संदेश से सूचना मिली कि एक संदिग्ध उनकी तरफ बढ़ रहा है उन्होंने तुरन्त अपनी पोजिशन को आतंकवादियों के आने की दिशा में बदला और सटीक गोलीबारी करते हुये उन पर प्रहार किया। इसके जवाब में आतंकवादियों ने लांस नायक राघ वेन्द्र सिंह पर अंधाधुध गोलीबारी और ग्रेनेड फेंकते हुए उन्हें गंभीर रुप से चोटिल कर दिया तथा बगीचे की तरफ भागने की कोशिश की। लेकिन लांस नायक राघ वेन्द्र सिंह ने अपनी चोटों की परवाह न करते हुये, तीव्र और सटीक गोलीबारी करके उनपर हमला किया और प्रतिभाशाली पहल से आतंकियों पर समीप से गोलीबारी करते हुए अपने दलों तथा लोगो को बिना क्षति पहुचायें एक खतरनाक आतंकवादी को मार गिराया। मारे गये आतंकवादी की पहचान बाद में कैटगिरी ए++ आतंकवादी के रूप में हुई।

लांस नायक राघ वेन्द्र सिंह ने गोलियों के जख्मों के बावजूद भी अदम्य साहस का परिचय दिया और जान की परवाह किये बिना एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराया। लांस नायक राघ वेन्द्र सिंह को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

7. 3017767एल सिपाही कर्ण वीर सिंह, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 अक्टूबर 2021)

दिनांक 20 अक्टूबर 2021 को दो अज्ञात आतंकियों के मौजूदगी की खबर के आधार पर शोपियां जिले के एक गांव मे घात लगाई गयी। सिपाही कर्ण वीर सिंह घात लगाने वाले दल की अग्रिम पंक्ति का हिस्सा थे।

लगभग 1030 बजे जब दोनों आतंकवादी लगाये गये घात में फंस गये, तो बचने की कोशिश में नाले में कूद गये। सिपाही कर्ण वीर सिंह ने आतंकवादियों की बच निकलने के प्रयास को भांपते हुए 100 मीटर तक अकेले उनका पीछा किया। अपना पीछा होता देख आतंकवादियों ने सिपाही कर्ण वीर सिंह पर अंधाधुंध फायरिंग की और ग्रेनेड भी फेंके। जिससे सिपाही कर्ण वीर सिंह घायल हो गए। सिपाही कर्ण वीर सिंह अपनी चोटों से बेपरवाह होकर 30 मीटर तक आगे बढे और आतंकवादियों से लोहा लिया और उन्हें रोका। उन्होंनें आमने-सामने की भीषण लड़ाई में एक खुंखार आंतकी को मार गिराया। इसी मुठभेड के दौरान सिपाही कर्ण वीर सिंह को गोलियो की गंभीर चोट लग गई परन्तु अपने घाव की परवाह किये बिना सिपाही कर्ण वीर सिंह ने दूसरे आतंकी को भी घायल कर दिया और बाद में अधिक खून बहने के कारण वीरगती को प्राप्त हो गए।

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद सिपाही कर्ण वीर सिंह ने एक खतरनाक आतंकवादी को मार गिराने और दूसरे आतंकवादी को घायल कर दिया। देश के प्रति सेवा और सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

8. 15240522पी गनर जसबीर सिंह, दि तोपखाना रेजिमेंट, 19वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 29 दिसम्बर 2021)

29 दिसंबर 2021 को पुख्ता जानकारी के आधार पर अनन्तनाग जिले के एक गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। गनर जसबीर सिंह आंतरिक घेरा का हिस्सा थे। अभियान के दौरान तीन आतंकवादियों का सफाया किया गया।

लक्षित घर की गहन तलाशी के दौरान, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं और घेरा तोड़ने के प्रयास में दो हथगोले दागे। अपनी सैन्य टुकड़ी के ऊपर आए खतरे को भांपते हुए गनर जसबीर सिंह तुरंत हरकत में आए और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए आगे बढ़कर जमीन पर दुरस्त मोर्चा सम्भाला और सटीक जवाबी गोलीबारी की मदद से आतंकवादियों के भागने के रास्ते को अवरुद्ध किया, लेकिन आतंकवादियों ने गोलीबारी जारी रखी। अदम्य साहस का परिचय देते हुए वे फिर आगे बढ़े और गोलाबारी करने वाले आतंकवादी जिसके पास घातक एम4 हथियार था उसका नजदीक से खात्मा किया जिसकी पहचान बाद में कैटगिरी ए++ आतंकवादी के रूप में हुई। इस गोलीबारी में गनर जसबीर सिंह गंभीर रूप से घायल हुए और देश के लिए वीरगति को प्राप्त हुए।

गनर जसबीर सिंह ने आतंकवादी की शत्रुता पूर्ण गोलाबारी के बीच असाधारण वीरता, अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देकर आतंकवादियों से लडते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। गनर जसबीर सिंह को मरणोपरांत "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

9. लेफ्टिनेंट कमांडर मृत्यंजय कुमार (07456-W)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 24 जुलाई, 2021)

23 जुलाई को 23:00 बजे शोकबाबा जंगल (जम्मू और कश्मीर) में एक बाहरी घेराबंदी की गयी। लेफ्टिनेंट कमांडर मत्युंजय कुमार ने चुनौतियों से भरे घने जंगल वाले इलाके में SADO के लिए MARCOS टीम का नेतृत्व किया।

24 जुलाई 2021 को 07:10 बजे एक चट्टान के पीछे छिपे दो आतंकवादियों ने सर्च टीम पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी जिसमें एक जवान घायल हो गया। MARCOS सहित संयुक्त टीम द्वारा जवाबी फायरिंग में आतंकवादियों को वहीं रोक दिया गया था, अफ़सर ने दो अन्य आतंकवादियों को ऊपर की ओर बचकर भागते देखा। हालांकि अफ़सर अत्यधिक ख़तरनाक ढलान पर थे, उन्होने निःस्वार्थ भाव से अपनी ड्यूटी से आगे बढ़कर सावधानी से इन आतंकवादियों का पीछा किया। अफसर द्वारा सामरिक रूप से प्रतिकूल परिस्थिति और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना अत्यधिक जोखिमपूर्ण क्षेत्र में बहादुरी से आतंकवादियों का पीछा करने और सटीक दिशानिर्देश देने से टीम द्वारा दोनों आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया।

इसके बाद लेफ्टिनेंट कमांडर मृत्युंजय कुमार ने नीचे जाकर घायल सिपाही का हॉट एक्सट्रैक्सन किया और रास्ते में कंप्रैशन बैंडेज और IC Fluids देकर उनकी जान बचाई। इसके बाद अफ़सर फिर से प्रारम्भिक मुठभेड़ वाले स्थान पर टीम से जा मिले और सामरिक सूझबूझ से आतंकवादियों के छिपने के स्थान के समीप पहुँच गए। इसके बाद हुई गोलाबारी में आतंकवादियों ने इस अफसर की ओर ग्रेनेड फेंके। हालांकि उन्होंने सामरिक कवर बनाए रखा और एक आतंकवादी को मार गिराने मे टीम की सहायता की।

जब टीम आतंकवादी के मारे जाने की पुष्टि करने के लिए चट्टान के पास गयी तो दूसरे आतंकवादी ने उन पर गोलियां चला दीं। लेफ्टिनेंट कमांडर मृत्युंजय कुमार ने अपनी सुरक्षा की परवाह ना करते हुए कवर से हटकर आतंकवादी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। इसके प्रभाव से आतंकवादी की गोलीबारी बंद हो गई। इसके बाद फिर से अपनी टीमें तैनात की गई और गहन तलाशी ली गई। मृत आतंकवादियों का शव युद्ध सामग्री के साथ बरामद किया गया।

अभियान शोकबाबा के दौरान लेफ्टिनेंट कमांडर मृत्युंजय कुमार द्वारा भारतीय नौसेना की सर्वोच्च परंपरा के अनुरूप अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर अदम्य साहस तथा निर्भीकता की निजी मिसाल पेश करने के लिए इन्हें "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

10. श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 12 अक्टूबर, 2020)

दिनांक 12 अक्टूबर 2020 को, पुराने बरजुल्ला क्षेत्र, थाना सदर, जिला श्रीनगर में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त होने पर वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ, एसओजी और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। योजनानुसार, लगभग 04:00 बजे, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट ने अपनी टीम के साथ लक्षित घर को घेर लिया। आस-पास के सभी घरों में तलाशी शुरू की गई और नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। इसी दौरान दो संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी का आभाष हुआ।

पुष्टि होने पर आतंकियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई किन्तु वह बेकार गई और आतंकवादियों ने घेराबंदी दल पर गोलीबारी की, जिसका वैली क्यूएटी की टीम ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। जब, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट की कमान में दल चतुराई से घर के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ रहा था तभी छिपे हुए आतंकवादी ने उन पर भारी गोलाबारी की। आतंकवादी ने दल की ओर एक ग्रेनेड फेंका, लेकिन, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट और दल बाल-बाल बच गए। टीम ने जैसे ही एक कमरे का दरवाजा खोला, छिपे हुए आतंकवादी ने हथगोला फेंका और उसके बाद अंधाधुंध फायरिंग की। ग्रेनेड विस्फोट में उनके दो साथी घायल हो गए। अपने साथियों को खतरे में देखकर, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट ने एकजुटता और असाधारण नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया और अपने घायल साथियों को सुरक्षित निकाल लिया और उसके बाद वापस लौट आए और फिर से अपनी टीम के साथ शामिल हो गए। जब श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट, पहली मंजिल पर पहुँचने वाले थे, तभी एक आतंकवादी ने एक हथगोला फेंका और उन पर गोलियों की बौछार कर दी, लेकिन वह चमत्कारी रूप से बच निकले और डटे रहे। गोलियों की बौछार के बीच, वह सुरक्षा आड़ छोड़कर आगे बढ़े और आतंकवादी के समीप पहुंच गए और आमने-सामने की भीषण लड़ाई में ए++ श्रेणी के आतंकवादी को मार गिराया। मुठभेड़ के दौरान दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया गया।

बल की सर्वोच्च परंपराओं के अनुसार, आसन्न खतरे और जोखिम का सामना करते हुए, अतुलनीय पराक्रम और अनुकरणीय संकल्प के सम्मान स्वरूप, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

11. श्री सोमय विनायक मुंडे, आइ पी एस, अपर पुलिस अधीक्षक, महाराष्ट्र पुलिस

12. श्री रविंद्र काशिनाथ नैताम, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र पुलिस

13. श्री टिकाराम संपतराव काटेंगे, पुलिस नायक, महाराष्ट्र पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 13 नवंबर, 2021)

12 नवंबर, 2021 को, माओवादी के समूह के सशस्त्र सदस्यों के इकट्ठा होने की सूचना मिली, जिनमें लगभग 120-130 भारी हथियारबंद विद्रोही शामिल थे जो सुरक्षा बलों पर एक बड़ा हमला करने की योजना बना रहे थे।

गढ़चिरौली के अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), श्री सोमय मुंडे द्वारा नक्सल विरोधी अभियान की योजना बनाई गयी। योजना के अनुसार, अभियान में शामिल दलों को तीन समूहों में बांटा गया था। 13 नवंबर को लगभग 06:00 बजे मर्दिनटोला के जंगल में तलाशी अभियान के दौरान, पहाड़ी की चोटी पर छिपे माओवादियों ने अचानक अंधाधुंध गोलियां चलाकर दूसरे समूह पर हमला कर दिया। कमांडो ने पेड़ों और चट्टानों की आड़ में जाकर खुद को बचाया और ऊंची आवाज में माओवादियों से गोलीबारी रोकने और आत्मसमर्पण करने की अपील की। लेकिन माओवादियों ने कमांडो पर फायरिंग जारी रखी। जैसे ही श्री सोमय मुंडे ने गोलियों की आवाज सुनी, उन्होंने तुरंत तीनों समूह के बीच समन्वय स्थापित किया और माओवादियों का पीछा करना शुरू कर दिया।

जैसे ही कमांडो एक पहाड़ी के पास पहुंचे, पहाड़ी की चोटी पर छिपे 90-100 हथियारबंद माओवादियों ने फिर से कमांडो पर हमला कर दिया। इस गोलीबारी के दौरान, श्री टिकाराम काटेंगे को दाहिने हाथ और कंधे पर गोली लगने से गंभीर चोट आईं और उससे काफी खून बहने लगा। अपने साथियों पर भीषण खतरे को भांपते हुए, गंभीर चोट के बावजूद, उन्होंने अपनी राइफल बाएं हाथ में पकड़ी और जवाबी कार्रवाई जारी रखी। उनके अप्रत्याशित पलटवार ने तीन बढ़ते नक्सलियों को हैरत में डाल दिया और तीनों माओवादियों को मार गिराने में कामयाब रहे। घातक चोट के बावजूद, उन्होंने जवाबी कार्रवाई जारी रखी और अतुलनीय पराक्रम का प्रदर्शन किया। लेकिन घायल जवानों को देखकर माओवादियों ने उन्हें घेरना शुरू कर दिया और ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के लिए बीजीएल का इस्तेमाल किया। श्री सोमय मुंडे ने अपने दल को सुरक्षात्मक गोलीबारी करने का निर्देश दिया, जबकि वह खुद 6 सिपाहियों के साथ अपनी सुरक्षा छोड़कर भारी गोलीबारी के बीच रेंगते हुए घटनास्थल तक पहुंचने की कोशिश करने लगे और भारी हथियारों से लैस छह माओवादियों को मार गिराया। इसके बाद बरसती गोलियों के बीच श्री रविंद्र नैताम के साथ मिलकर बाकी माओवादियों पर हमला कर दिया। घायल जवानों को आसन्न खतरे से बचाने के लिए उन्होंने और श्री रविंद्र नैताम ने सही निशाने पर गोलियां चलाते हुए तीन और माओवादियों को मार गिराया।

दूसरी ओर से माओवादी कमांडो पर अंधाधुंध फायरिंग करते रहे थे। इस बीच, श्री सोमय मुंडे ने तीसरे समूह को जवाबी गोलीबारी के लिए बाईं दिशा से आगे बढ़ने का निर्देश दिया। इस तालमेल भरी घेराबंदी से माओवादियों का मात खाना तय हो गया। इस घेराव अभियान के दौरान, पास की झाड़ी में छिपे दो माओवादियों ने जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग करनी शुरू कर दी। श्री रविंद्र नैताम ने अपनी सूझबूझ और अत्यधिक सतर्कता के साथ गोलीबारी करने वाले छिपे हुए दो माओवादियों की पहचान की और अपनी जानकी परवाह न करते हुए, उन्होंने दोनों माओवादियों पर हमला किया और उन्हें ढेर कर दिया। इस आक्रमण के दौरान, एक गुजरती गोली से उनके सर में घाव हो गया। घायल होने और खून बहने के बावजूद पकड़ बनाए रखने के लिए उन्होंने फायरिंग जारी रखी। इस बीच, अपने घायल जवान को देखकर और दूसरे माओवादियों से होने वाले खतरे को भांपकर, श्री मुंडे अपनी जान की परवाह न करते हुए, अपना कवर छोड़कर आगे बढ़े और गोलीबारी में बढ़त बनाने के लिए सुरक्षा आड़ प्रदान की। श्री मुंडे के इस आश्चर्यजनक जवाबी हमले ने आगे बढ़ रहे विद्रोहियों को स्तब्ध कर दिया। मौके पर रणनीतिक कौशल और साहसिक पैंतरेबाजी से, वह दो और हथियारबंद माओवादियों को मार गिराने में सफल रहे। इस अचानक हुए जवाबी हमले ने माओवादियों की हिम्मत तोड़ दी, और वे घायल जवानों से पीछे हट गए। इस प्रकार फंसे हुए कमांडो को सफलतापूर्वक बचाया जा सका।

तलाशी के दौरान पुलिस को 26 माओवादी जमीन पर बेहोश पड़े मिले। साथ ही 29 आग्नेयास्त्र और भारी मात्रा में नक्सलियों के दूसरे साज-सामान घटना स्थल से बरामद किए गए।

जानलेवा खतरे के दौरान प्रदर्शित असाधारण साहस, वीरता और पराक्रम के सम्मान स्वरूप, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री सोमय विनायक मुंडे, पुलिस हवालदार श्री रविंद्र काशीनाथ नैताम और पुलिस नायक श्री टिकाराम संपतराव काटेंगे को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

एस एम समी
अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2022

No. 298-Pres/2022—The President is pleased to approve the award of the "Bar to Sena Medal/ Army Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-79987P MAJOR ARCHIT SHARMA, SENA MEDAL, THE MECHANISED INFANTRY, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
2. SS-45267F MAJOR NARENDER SINGH WALDIA, SENA MEDAL, THE CORPS OF ENGINEERS, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

S M SAMI
Under Secretary

No. 299-Pres/2022—The President is pleased to approve the award of the "Sena Medal/ Army Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-61584M LIEUTENANT COLONEL VIVEK KUMAR DWIVEDI, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 663 ARMY AVIATION SQUADRON(R&O)
2. IC-64666A LIEUTENANT COLONEL SUDHANSHU DHYANI, 671 ARMY AVIATION SQUADRON(R&O)
3. IC-69735P LIEUTENANT COLONEL PRASOON SINGH, 5TH BATTALION THE RAJPUT REGIMENT
4. IC-73245Y MAJOR ANGAD SINGH BEHL, 14TH BATTALION THE JAT REGIMENT
5. IC-74504H MAJOR VAIBHAV BHATNAGAR, 3RD BATTALION THE RAJPUT REGIMENT
6. IC-74932F MAJOR SAHIL KUMAR, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT(SPECIAL FORCES)
7. IC-75304Y MAJOR PARTH CHANDEL, THE BIHAR REGIMENT, 24TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
8. IC-76030L MAJOR VIVEK KAMBOJ, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
9. IC-76223L MAJOR MRITUNJAY KATOCH, THE GARHWAL RIFLES, 14TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
10. IC-77079N MAJOR SUDEEP KUMAR, THE SIKH REGIMENT, 46TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
11. IC-77745N MAJOR DIVYA AGRE, THE GARHWAL RIFLES, 14TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
12. IC-77891N MAJOR RISHAV JAMWAL, THE GARHWAL RIFLES, 14TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
13. IC-78485A MAJOR ANUJ VEER SINGH, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
14. IC-78845L MAJOR PRABHJOT SINGH SAINI, THE RAJPUTANA RIFLES, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
15. IC-78995F MAJOR MANDEEP K NARWAL, THE GARHWAL RIFLES, 48TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
16. IC-79067X MAJOR AKASH SEN, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
17. IC-79105H MAJOR ARUN KUMAR, ARMY SERVICE CORPS, 1ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
18. IC-79330X MAJOR ABHINAV NEHRA, 2ND BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT(SPECIAL FORCES)

19. IC-79540X MAJOR RAJESH RAWAT, THE MAHAR REGIMENT, 1ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

20. IC-80016W MAJOR NAVNEET SINGH, 1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT(SPECIAL FORCES)

21. IC-80243W MAJOR VIJAY SINGH, THE ARMOURED CORPS, 6 ASSAM RIFLES

22. IC-80252X MAJOR ADITYA BISHT, THE ASSAM REGIMENT, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

23. IC-80408K MAJOR SANKALP YADAV, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 33 RECONNAISSANCE AND OBSERVATION FLIGHT (POSTHUMOUS)

24. IC-80786H MAJOR APRAANT RAUNAQ SINGH, THE RAJPUTANA RIFLES, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

25. SS-45386X MAJOR SOUBAM KINOBABU SINGH, 2ND BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY

26. SS-46781X MAJOR JASMEET SINGH BHATIA, THE CORPS OF ENGINEERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

27. SS-46920W MAJOR VIKAS KUMAR, THE KUMAON REGIMENT, 13TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

28. SS-47347X MAJOR DINESH A, THE CORPS OF ENGINEERS, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

29. SS-48363F MAJOR IRENGBAM VISHAL MEETEI, 19TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES

30. IC-81509K CAPTAIN ANCHIT SARPRATAP RATTANI, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT(SPECIAL FORCES)

31. IC-81543K CAPTAIN NIKHIL MANCHANDA, 2ND BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT(SPECIAL FORCES)

32. IC-81990N CAPT ABID SOHAIL, THE CORPS SIGNALS, 13TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

33. IC-83037X CAPTAIN RESHAB DHUNGANA, THE CORPS OF SIGNALS, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

34. SS-48569Y CAPTAIN SRIVATHSAN K, 3 GORKHA RIFLES, 6 ASSAM RIFLES

35. SS-50334L CAPTAIN MUSHTAQ UL ISLAM KHAN, 12TH BATTALION THE JAT REGIMENT

36. JC-531611Y SUBEDAR RAM SINGH, THE GARHWAL RIFLES, 48TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

37. JC-414161F NAIB SUBEDAR SANDEEP KUMAR, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT(SPECIAL FORCES)

38. JC-414747X NAIB SUBEDAR KAILASH JOSHI, 2ND BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

39. JC-414858P NAIB SUBEDAR DALJEET SINGH, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT(SPECIAL FORCES)

40. JC-511642X NAIB SUBEDAR GURSEV SINGH, 8TH BATTALION THE SIKH LIGHT INFANTRY.

41. 13625536Y HAVILDAR RAJENDRA SINGH, 2ND BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

42. 13625885H HAVILDAR MANISH DHULIYA, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT(SPECIAL FORCES)

43. 15574194X HAVILDAR SONIT KUMAR SAINI, 102 ENGINEER REGIMENT (POSTHUMOUS)

44. 2707433Y HAVILDAR OM PRAKASH, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

45. 3008771M HAVILDAR ASHOK KUMAR, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

46. 4198232A HAVILDAR BHUPENDRA CHAND, THE KUMAON REGIMENT, 13TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
47. 4374196L HAVILDAR R BITHUNGO LOTHA, THE ASSAM REGIMENT, 2 ARUNACHAL SCOUTS
48. 19000105P LANCE HAVILDAR MAJOR SINGH, 4TH BATTALION THE SIKH REGIMENT
49. 14936282F NAIK JAGJIT SINGH, THE MECHANISED INFANTRY, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
50. 14943356N NAIK NORDEN LEPCHA, THE MECHANISED INFANTRY, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
51. 14945626W NAIK AKASH SADHOTRA, THE MECHANISED INFANTRY, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
52. 15506482L NAIK SARABJIT SINGH, THE ARMOURED CORPS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
53. 15586762K NAIK BANWARI LAL RATHORE, 270 ENGINEER REGIMENT (POSTHUMOUS)
54. 15627254L NAIK BHUVA RAJUBHAI RAMBHAI, THE BRIGADE OF THE GUARDS, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
55. 16025067M NAIK LALIT SINGH SHEKHAWAT, THE RAJPUTANA RIFLES, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
56. 20001165A NAIK BHUPINDER SINGH, 2ND BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
57. 2702103W NAIK AMIT KUMAR, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
58. 2705182F NAIK GUDDU KUMAR, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
59. 3004862Y NAIK SANJEEV KUMAR, 3RD BATTALION THE RAJPUT REGIMENT
60. 3009616X NAIK SHAKTI SINGH, 3RD BATTALION THE RAJPUT REGIMENT
61. 3010624H NAIK MAHIPAL SINGH, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
62. 3011202K NAIK KESAR SINGH, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
63. 9113397Y NAIK SARTAJ AHMAD WAGAY, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
64. 14943132N LANCE NAIK SUTINDER SINGH, THE MECHANISED INFANTRY, 42ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
65. 20003657X LANCE NAIK SATISH KUMAR, THE DOGRA REGIMENT, 62ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
66. 3207917M LANCE NAIK PARVEEN SINGH, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
67. 3210824H LANCE NAIK PRAMOD LAMBA, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
68. 14946550N SEPOY VIKAS KHATRI, THE MECHANISED INFANTRY, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
69. 14946768A SEPOY DALVINDER SINGH, THE MECHANISED INFANTRY , 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
70. 17008035K SEPOY SASANKHA SEKHAR SAMAL, 233 (I) FIELD WORKSHOP COMPANY(POSTHUMOUS)
71. 19007958P SEPOY JAGPREET SINGH, THE SIKH REGIMENT, 16TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
72. 3210667F SEPOY ADESH SINGH, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

73. 3212411X SEPOY AMARJIT, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
74. 3212462L SEPOY CHAINA RAM, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
75. 4207965H SEPOY NARENDER SHARMA, THE KUMAON REGIMENT, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
76. 16028779A RIFLEMAN LAKHAN SINGH, THE RAJPUTANA RIFLES, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
77. 16029756L RIFLEMAN DEEPAK PHOGAT, THE RAJPUTANA RIFLES, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
78. 9118601W RIFLEMAN SHEIKH SHAHBAZ YOUSUF, 1ST BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
79. 9119389W RIFLEMAN ISHAN HUSSAIN KHAN, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
80. 15510094L SWAR RAJBIR SINGH TANWAR, THE ARMOURED CORPS, 24TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
81. 16126917M SAPPER HANAMANT DHAREPPA AYATTI, THE CORPS OF ENGINEERS, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 300-Pres/2022—The President is pleased to approve the award of the "Nao Sena Medal/Navy Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. VINEET KUMAR, LA (AH), 243807-H

S M SAMI
Under Secretary

No. 301-Pres/2022—The President is pleased to approve the award of the "Vayu Sena Medal/Air Force Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. GROUP CAPTAIN RAHUL SINGH (27001), FLYING (PILOT)
2. GROUP CAPTAIN RAVI NANDA (27686), FLYING (PILOT)
3. WING COMMANDER DEEPIKA MISRA (29283), FLYING (PILOT)
4. SQN LDR DILIP GURNANI (33566), ADMINISTRATION/FIGHTER CONTROLLER (GARUD)
5. FLIGHT LIEUTENANT D RAVINDRA RAO (35147), FLYING (PILOT)
6. 912788 SERGEANT PARMENDER SINGH PARMAR, FLIGHT GUNNER
7. 924678 SERGEANT SHYAM VEER SINGH, INDIAN AIR FORCE (GARUD)

S M SAMI
Under Secretary

No. 302-Pres/2022—The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the under mentioned officers/personnel for "Mention in Despatches" received by the Raksha Mantri from the "Chief of the Army Staff":—

OPERATION RAKSHAK

1. IC-77698F MAJOR SASHBIND SINGH PAL, THE MARATHA LIGHT INFANTRY, 17TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
2. IC-77779F MAJOR ABHISHEK TYAGI, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
3. IC-77796F MAJOR AKSHAY PRAKASHRAO POTRAJE, 3RD BATTALION THE GORKHA RIFLES
4. IC-78814L MAJOR RAVI RAJAN, SENA MEDAL, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

5. IC-79932L MAJOR JADHAV PRATIK BALIRAM, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
6. SS-45292A MAJOR VIBHORE JOSHI, SENA MEDAL, THE KUMAON REGIMENT, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
7. IC-82774M CAPTAIN NIKHIL SHARMA, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
8. IC-84228Y CAPTAIN SHASHWAT SINGH, 19TH BATTALION THE KUMAON REGIMENT
9. SS-49498P CAPTAIN KARTIKEY CHAMOLI, THE CORPS OF SIGNALS, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
10. AR-425Y ASSISTANT COMMANDANT MOHD SHAFIQ, 26 ASSAM RIFLES
11. JC-812497W SUBEDAR SANDEEP KUMAR, 31 COMPOSITE INTELLIGENCE UNIT
12. 13623884F HAVILDAR RAJENDRA PRASAD, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
13. 3003092L HAVILDAR MAHTAV SINGH GURJAR, 5TH BATTALION THE RAJPUT REGIMENT
14. 3998063P HAVILDAR ANIL KUMAR, THE DOGRA REGIMENT, 62TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
15. 4003037L HAVILDAR ASHWANI KUMAR, THE DOGRA REGIMENT, 11TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
16. 12974838X NAIK TARIQ AHMAD LONE, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 1ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
17. 18007112X NAIK KAMLESH SINGH DHAMI, THE CORPS OF ENGINEERS, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
18. 4203305N NAIK MADAN SINGH BISHT, THE KUMAON REGIMENT, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
19. 13630005L LANCE NAIK MUDASIR AHMAD YATOO, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
20. 4205519H LANCE NAIK MANPREET SINGH, THE KUMAON REGIMENT, 13TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
21. 20011021L SEPOY SOURAV KUMAR, 15TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT
22. 15240360P GUNNER SUKH DEEP SINGH, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
23. 74B7 ARMY DOG AXEL, 26 ARMY DOG UNIT (POSTHUMOUS)

OPERATION SNOW LEOPARD

24. IC-77665W MAJOR CECIL KAY JOSE, 9TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT
25. IC-77901M MAJOR RAVINDER SHARMA, THE CORPS OF ENGINEERS, HEADQUARTERS SPECIAL FRONTIER FORCE
26. SS-45290P MAJOR SAKALKAR PRATARDAN GOPAL, THE REGIMENT OF ARTILLERY, HEADQUARTERS SPECIAL FRONTIER FORCE
27. 5351895A HAVILDAR MAMIT GURUNG, 11 GORKHA RILFES, 1ST SIKKIM SCOUTS
28. 13774706W NAIK VANKAYALA SUDHAKAR, 19TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
29. 19000743N NAIK SATNAM SINGH, 16TH BATTALION THE SIKH REGIMENT

OPERATION RHINO

30. IC-73846K MAJOR HARENDER SINGH TANWAR, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 38 RECONNAISSANCE AND OBSERVATION FLIGHT

OPERATION ORCHID

31. IC-81901K CAPTAIN ADITHYA PRAKASSH VP, THE MAHAR REGIMENT, 5TH ASSAM RIFLES

32. G/5019420K RIFLEMAN PURAN SINGH, 5 ASSAM RIFLES

OPERATION FALCON

33. JC-492431X NAIB SUBEDAR VISHAN PAL SINGH, 14TH BATTALION THE JAT REGIMENT

34. 15329982L HAVILDAR G ELANGOVAN, 14 ENGINEER REGIMENT

OPERATION HIFAZAT

35. IC-73968N MAJOR AMIT KUMAR MISHRA, THE RAJPUT REGIMENT, 31 ASSAM RIFLES

36. SS-47134K MAJOR BHARAT SINGH ADHWARIYA, THE CORPS OF ENGINEERS, 43 ASSAM RIFLES

OPERATION TRIKUT (DEOGHAR)

37. IC-85491W LIEUTENANT DEVESH JOSHI, 1ST BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY

38. 15574764H HAVILDAR KADAM VIJAY YESHWANT, 107 ENGINEER REGIMENT

39. 9111652F HAVILDAR GURDEV SINGH, 1ST BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY

CAS EVAC

40. IC-72023X MAJ VARUN VERMA, 27 (I) RECONNAISSANCE AND OBSERVATION FLIGHT

41. IC-72294P MAJ ROHIT KUMAR, 27 (I) RECONNAISSANCE AND OBSERVATION FLIGHT

S M SAMI
Under Secretary

No. 303- Pres/2022—The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the under mentioned officers/personnel for "Mention in Despatches" received by the Raksha Mantri from the "Chief of the AIR Staff":—

1. WG CDR ABHISEK PUJARI (30605) AE(L)

S M SAMI
Under Secretary

No. 304-Pres/2022—The President is pleased to approve the award of the "Kirti Chakra" to the under mentioned person for the acts of conspicuous gallantry:—

1. 15486168N NAIK DEVENDRA PRATAP SINGH, THE ARMOURED CORPS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 29th January, 2022)

On 29 January 2022 at 1510 hours, specific input was received regarding presence of terrorists in a village in Pulwama District (Jammu and Kashmir). Naik Devendra Pratap Singh displayed exceptional tactical acumen in laying an impregnable cordon.

During search, when subjected to indiscriminate fire by four terrorists equipped with modern assault rifles, Naik Devendra Pratap Singh stood his ground undeterred and immediately retaliated, which prevented terrorist escape. Displaying indomitable courage with utter disregard to personal safety, he crawled under fire and positioned himself near target house in the line of fire within three meters from hiding terrorists. Terrorists rushed out of the house firing indiscriminately, lobbing

grenades and came face to face with him. Exhibiting nerves of steel and bravery of highest order, Naik Devendra Pratap Singh eliminated one terrorist on the spot and swiftly changed his position to engage fleeing terrorists thereby eliminating the second terrorist. Terrorists eliminated were identified as a Category 'A++', and Category 'C' terrorists.

For displaying indomitable courage and devotion beyond call of duty resulting in elimination of two hardcore terrorists, Naik Devendra Pratap Singh is awarded "KIRTI CHAKRA".

2. SHRI SUDIP SARKAR, CONSTABLE/GD, BSF (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 07th November, 2020)

During night intervening 07/08 November 2020, Shri Sudip Sarkar, CT/GD, 169 Bn, was part of a patrol-cum-Ambush team along the Anti-Infiltration Obstacle System (AIOS) on the LoC, Distt- Kupwara, Kashmir. Shri Sudip Sarkar while guiding the team, observed armed infiltrators inching towards AIOS. On being engaged, the terrorists retaliated with heavy volume of fire from an elevated position on the ridge with ample cover. Exposed with no cover, Shri Sudip sarkar, CT/GD continued his assault by maneuvering to engage the terrorists in a fierce gun battle but was severely wounded due to bullet and grenade blast injuries. Despite his injuries, Shri Sudip Sarkar lunged into a daring close Quarter Battle, killing one terrorist, but succumbed to his injuries sustained during hand to hand combat.

Shri Sudip Sarkar displayed conspicuous gallantry, heroism, selflessness and intrepidity at the risk of his life above and beyond the call of duty in the highest traditions of BSF which deserve to be recognized at the highest level. Therefore, Sudip Sarkar, CT/GD is awarded "Kirti Chakra" (Posthumously).

3. SHRI PAOTINSAT GUITE, SUB-INSPECTOR/GD, BSF (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 01st December, 2020)

On 30th November, 2020, a 24 hours special ambush party of Ghatak Team of 59 Bn, BSF led by Shri Paotinsat Guite, SI(GD), was deployed along with anticipated ingress route of the terrorists in highly sensitive Damaikush Bowl on LoC under Army Ops Control of 120 Inf Bde.

On 1st December 2020 at about 0835 hours, the Ghatak team was fired upon from close proximity of ambush site from the direction of Damaikush Nullah (Pak Side). Shri Paotinsat Guite, SI(GD), displaying intrepid nerves of steel, took immediate control of the situation, re-settled the ambush and coordinated effectively despite the heavily mined terrain with undulating ground and thick vegetation. While maneuvering to engage the enemy, Shri Paotinsat Guite, SI(GD), was shot through his upper torso. With total disregard for his own safety, he continued engaging the enemy under overwhelming fire in order to provide protective fore for his team. Despite being grievously wounded, he exhibited raw courage and successfully neutralized one of the terrorist before making the supreme sacrifice for the nation in the line of duty.

During the entire operation, the dynamic leadership of Shri Paotinsat Guite, SI(GD), resulted in killing of three militants. The conspicuous gallantry, intrepidity and heroism at the cost of his own life are in keeping with the highest traditions of the Forces. Therefore, Shri Paotinsat Guite, SI(GD), is awarded "Kirti Chakra" (Posthumously).

S M SAMI
Under Secretary

No. 305-Pres/2022—The President is pleased to approve the award of the "Shaurya Chakra" to the under mentioned persons for the acts of gallantry:—

1. IC-72252H MAJOR NITIN DHAANIA, 2ND BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of Award: 13th December, 2021)

On 13 December 2021, Major Nitin Dhaania was tasked to execute a surgical operation in a crowded area of South Kashmir (Jammu and Kashmir) to avert terrorist attack on Army convoy.

At 1330 hours, two terrorists in guise of civilians were identified by him. Sensing danger to civilians and imminent threat to Army convoy, he alongwith his buddy discreetly closed in towards the terrorists and tactfully challenged the terrorists, who retaliated with automatic fire towards them. Major Nitin and his buddy immediately grabbed the terrorists and engaged them in hand to hand combat. In ensuing grapple, he eliminated a terrorist identified as a Category 'A+' terrorist. Subsequently, sensing mortal threat to his buddy, he rushed towards him and in another aimed shot eliminated the second terrorist identified as a category 'A' terrorist.

For displaying exceptional courage with utter disregard to personal safety, indomitable fighting spirit, ferocity in combat and averting an attack on an Army Convoy and saving precious lives of civilians, Major Nitin Dhaania is awarded "Shaurya Chakra".

2. IC-78962W MAJOR AMIT DAHIYA, SENA MEDAL, FIRST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of Award: 28th July, 2021)

Major Amit Dahiya, Sena Medal, was leading a Search and Destroy Operation Team, tasked to eliminate foreign terrorists in Pulwama district based on the intelligence provided by General Officer Commanding, Counter Insurgency Force (Victor) and corroborated by different intelligence agencies.

The officer through his meticulous planning and tactical acumen inducted his team in general area under inclement weather conditions, using unexpected route to achieve complete surprise. He astutely deployed his Sniper Detachments to observe the area from vantage points and stops to cut off likely escape routes. At 0605 hours, suspicious movement was seen in the general area. Terrorists upon sensing danger came out from a Dhok and started firing indiscriminately, using civilians as cover. On ascertaining threat to own troops and civilians, Major Amit Dahiya, Sena Medal, took bold initiative and tactically maneuvered to close in and neutralized the terrorist in a fierce gun battle. Thereafter, he provided accurate fire support to assist in neutralizing the second terrorist while ensuring no collateral damage.

For displaying enterprising leadership, conspicuous courage, tactical acumen and unvanquishable determination, Major Amit Dahiya, Sena Medal, is awarded "Shaurya Chakra".

3. IC-80532L MAJOR SANDEEP KUMAR, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 05th January, 2022)

Since March 2020, Major Sandeep Kumar has exhibited exceptional resoluteness and fortitude during five successful operations resulting in elimination of 13 terrorists.

On 05 January 2022 at 0430 hours, during a specific operation in, Pulwama district (Jammu and Kashmir), three terrorists equipped with modern assault rifles and night vision devices opened indiscriminate fire on search party of Major Sandeep from a cowshed. Maintaining tactical composure, he swiftly retaliated fire and re-deployed his team to prevent terrorist escape. Undeterred by terrorist fire and with utter disregard to personal safety, the officer crawled ahead under covering fire provided by his buddy and closed in to the cowshed in an open area without any cover. The terrorists opened indiscriminate fire on Major Sandeep and his buddy. Displaying unflinching loyalty, he pushed his buddy away from grave danger, exposing himself to heavy terrorist fire. In an act of unparalleled courage, he engaged terrorists in a face to face gun fight eliminating one terrorist and grievously injuring the other terrorist. Terrorist eliminated was identified as a Category 'A++' terrorist.

For displaying supreme leadership and exemplary courage beyond the call of duty, Major Sandeep Kumar is awarded "Shaurya Chakra".

4. SS-47677W MAJOR ABHISHEK SINGH, THE MECHANISED INFANTRY, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 06th January, 2022)

Major Abhishek Singh since joining battalion has exhibited exceptional resoluteness and leadership qualities. He has taken part in four successful operations resulting in elimination of nine terrorists.

On 06-07 January 2022, he was part of Operation Zoiu leading his team to lay initial cordon in Budgam District (Jammu and Kashmir). The officer observed suspicious movement of three individuals who opened indiscriminate fire on being challenged. Effective retaliation by the officer foiled escape bid.

Post neutralization of first terrorist, remaining two terrorists got holed up in narrow alley between houses. Major Abhishek Singh leading search team volunteered to clear it physically. While closing in team was fired upon by hiding terrorist and in ensuing firefight Major Abhishek Singh injured second terrorist with effective fire. Meanwhile grenade lobbed by third terrorist injured the officer near left eye. Though bleeding profusely, the officer regained his wit and located third terrorist firing at the search team. Sensing grave danger to his buddy and disregarding personal safety the officer swiftly maneuvered to acquire advantageous position and took aimed shots and neutralized heavily armed category A+ foreign terrorist.

For displaying commendable leadership and bravery thereby injuring one terrorist and eliminating the other heavily armed foreign terrorist, Major Abhishek Singh is awarded "Shaurya Chakra".

5. 2693096F HAVILDAR GHANSHYAM, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 14th July, 2021)

On 13 July 2021 at 2230 hours, specific input was received regarding presence of terrorists in Pulwama town (Jammu and Kashmir). Havildar Ghanshyam with his intimate knowledge of terrain ensured swift laying of an impregnable cordon and quickly readjusted his position to cover the escape routes.

At 0840 hours on 14 July 2021, Havildar Ghanshyam and his buddy came under heavy fire from a terrorist attempting to break the cordon. Exhibiting raw courage and tactical acumen, Havildar Ghanshyam swiftly retaliated with accurate fire thereby preventing escape. Once it was decided to close in towards terrorist hiding in the house, Havildar Ghanshyam volunteered to undertake this daunting task alongwith his buddy. With utter disregard to his personal safety and exhibiting extraordinary valour, Havildar Ghanshyam dashed towards the terrorist from limited cover and eliminated the terrorist at close range under covering fire from his buddy. Terrorist eliminated was identified as a Category A++ terrorist.

For displaying indomitable courage, exceptional dedication and devotion beyond the call of duty resulting in elimination of one hardcore terrorist, Havildar Ghanshyam is awarded "Shaurya Chakra".

6. 14941570X LANCE NAIK RAGH VENDRA SINGH, THE MECHANISED INFANTRY, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 29th December, 2021)

Lance Naik Ragh Vendra Singh was serving 9 Rashtriya Rifles. He was a part of the initial team of a cordon and search operation, launched by the unit on 29 December 2021 in a village in Kulgam District (Jammu and Kashmir).

At 2140 hours, Lance Naik Ragh Vendra received a radio call about a suspect approaching his side, he immediately realigned himself towards terrorists and charged upon them while firing swiftly and accurately, the terrorists opened indiscriminate fire and lobbed grenades towards Lance Naik Ragh Vendra, injuring him grievously and attempted escape into the orchards. In a bold action, unmindful of his injury, displaying ingenuity, initiative, most conspicuous gallantry and unparalleled bravery Lance Naik Ragh Vendra closed in with the terrorists under fire and neutralized a hard-core terrorist from point blank range ensuring no injuries to the troops or the civilians. The terrorist was later identified a Category A++ terrorist.

Despite sustaining gunshot injury, he displayed exceptional courage and valour with little regard for personal safety, resulting in the elimination of a hard-core terrorist. Lance Naik Ragh Vendra Singh is awarded "Shaurya Chakra".

7. 3017767L SEPOY KARN VEER SINGH, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES, (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 20th October, 2021)

Based on specific HUMINT regarding movement of two unidentified terrorists in a village in Shopian district (Jammu and Kashmir), an ambush was laid on 20th October 2021. Sepoy Karn Veer Singh was scout of the team which had laid the ambush.

At 1030 hours, when intercepted by the ambush, both the terrorists in an attempt to escape jumped into a nalla. Sepoy Karn Veer Singh foreseeing the contingency of terrorists' escape dashed after them alone for 100 meters. Terrorists realizing that they were being chased fired at him indiscriminately and lobbed grenades injuring him. Undaunted by his injuries, Sepoy Karn Veer Singh crawled ahead for 30 meters and accurately engaged the terrorists and pinned them down. Valorous at close range, he eliminated terrorist in an intense firefight. Displaying unprecedented courage and devotion to duty, Sepoy Karn Veer Singh continued to engage with the second terrorist, injured him before receiving a bullet injury on his head and laid his life in the line of duty.

For eliminating one hardcore terrorist and injuring another one, despite being mortally wounded, Sepoy Karn Veer Singh is awarded "Shaurya Chakra" (Posthumously).

8. 15240522P GUNNER JASBIR SINGH, THE REGIEMNT OF ARTILLERY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 29th December, 2021)

On specific input, a cordon and search operation was launched on 29th December 2021 in a village in Anantnag district (Jammu and Kashmir), Gunner Jasbir Singh was a part of the inner cordon during the operation.

As the deliberate search of target house was in progress, the terrorists opened indiscriminate fire and lobbed two grenades in a bid to break the cordon and flee. Sensing danger to own troops late Gunner Jasbir Singh immediately sprung into action and with sheer disregard to his personal safety, he repositioned himself and retaliated with accurate fire which blocked the escape route of terrorists. But terrorists continued the firing. He then showing indomitable courage moved ahead, closed in with the firing terrorists and eliminated a terrorist with M4 weapon at close range. The terrorist was identified as a CAT 'A++' terrorist. In the ensuing gunfight, Gunner Jasbir Singh sustained multiple gunshot wounds and made the supreme sacrifice in the line of duty.

For displaying exceptional gallantry beyond the call of duty and nerve of steel under hostile fire in the face of enemy, Gunner Jasbir Singh is awarded "Shaurya Chakra" (Posthumously).

9. LT CDR MRITUNJAY KUMAR (07456-W)

(Effective date of Award: 24th July, 2021)

At 2300H on 23rd July 2021, an outer cordon was established in Shok Baba forest in Kashmir. Lt Cdr Mritunjay Kumar led the MARCOS team for SADO in the challenging dense mountainous forest terrain. At 0710 Hr on 24 July 2021, two terrorists hiding near a boulder opened indiscriminate fire on the search team wherein one personnel got injured. Whilst terrorists were pinned down by a heavy volume of retaliatory fire by the joint team including MARCOS, the officer noticed two other terrorists escaping uphill. The valiant pursuit and precise tracking by the officer in an extremely treacherous terrain regardless of his tactically disadvantageous position and personal safety resulted in subsequent neutralisation of both terrorists by the readjusted uphill stops.

After this, the officer conducted hot extraction of the injured personnel downhill to the MARCOS evacuation team and administered IC Fluids and compression bandage en route. This timely hot extraction and Field Trauma Management was critical in successful recovery of his fellow officer. Thereafter the officer once again regrouped with the team at initial contact site and tactically maneuvered himself into an uphill position in direct line of site of hiding terrorists. In ensuing firefight, terrorists lobbed grenades towards the officer however he maintained tactical cover and directed accurate gunfire towards the terrorists. This resulted in neutralisation of one terrorist by own troops.

Whilst army troops approached the boulder to confirm status of neutralised terrorist, the second terrorist opened fire on them. With utter disregard to his personal safety, the officer broke cover and unleashed a heavy volume of aimed fire to subdue the terrorist, this effectively stopped firing by the terrorist. Thereafter, during the search conducted, the body of neutralized terrorist with war like stores was recovered and blood trial of second terrorist observed. The second terrorist was found dead in the general area Shok Baba forest two days later having succumbed to injuries.

In keeping with the highest traditions of the Indian Navy, Lt Cdr Mritunjay Kumar went beyond the call of his duty during OP SHOKBABA FOREST (2021) displaying rare courage, personal example and selfless daring for which he is awarded "Shaurya Chakra".

10. SHRI AMIT KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF

(Effective date of Award: 12th October, 2020)

On 12th October 2020, on input about the presence of armed terrorists in Old Barzulla area, PS Saddar, Distt Srinagar, a joint Op was launched by Valley QAT, CRPF, SOG and J&K Police.

As planned, at about 0400 hrs, the target house was cordoned by Shri Amit Kumar, AC, along with his team. Search commenced in all the adjacent houses and civilians were evacuated to safety. Presence of two suspected terrorists in the house was felt.

On confirmation, an appeal was made to the terrorists to surrender but in vain. While the cordon was further being closed in, terrorists fired upon the cordon party, which was retaliated effectively by the team of Valley QAT. While the team under command of Shri Amit Kumar, AC, was tactically moving towards the entry of the target house, the hidden terrorist opened heavy fire on them. The terrorist lobbed a grenade towards the team, but, Shri Amit Kumar, AC, and his team had a narrow escape. As the team opened door of a room, the hidden terrorist lobbed grenade followed by indiscriminate firing. The grenade blast resulted in injuries to two of his teammates. Seeing his teammates in imminent danger, Shri Amit Kumar, AC exhibited true camaraderie and exceptional leadership skills and evacuated his injured teammates to safety and thereafter reverted and joined his team again. As Shri Amit Kumar, AC, was about to reach the first floor, the terrorist lobbed a grenade and fired fusillade of bullets towards him, but he had a miraculous escape and remained undeterred. Amid the spraying of bullets, he took the terrorist on in a head-on-battle and neutralized the category 'A++' terrorist from close quarters. In ensued close quarter gun battle another terrorist was also killed during the encounter.

In recognition of his extreme valour and exemplary determination, in the face of imminent threat and danger, in the highest traditions of the force, Shri Amit Kumar, AC, is awarded "Shaurya Chakra".

11. SHRI SOMAY VINAYAK MUNDE, IPS, ADDL. SUPERINTENDANT OF POLICE, MAHARASHTRA POLICE

12. SHRI RAVINDRA KASHINATH NAITAM, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA POLICE

13. SHRI TIKARAM SAMPATRAO KATENGE, POLICE NAIK, MAHARASHTRA POLICE

(Effective date of Award: 13th November, 2021)

On 12th November, 2021 information was received about the gathering of 120-130 heavily armed insurgents and their plan to conduct a major attack on security forces. An anti-naxal operation was chalked out by Shri Somay Munde, Addl. Supdt. of Police (Ops.), Gadchiroli. As per the plan, the operational parties were divided into three groups.

On 13th November, 2021 at around 0600, while the group were combing through the forest of Mardintola, the Maoists hidden on the hilltop, suddenly attacked the second group and fired indiscriminately. The commandos managed to shield themselves behind the trees and rocks and shouted out in appeal to the Maoists to stop gunfire and surrender. But the Maoists continued to fire at the commandos. As the gunfire was heard by Shri Somay Munde, he immediately established coordination among all the three groups and began to chase the Maoists. As the commandos reached near a hill, 90-100 armed Maoists hidden on the hilltop again attacked the commandos. During this exchange of fire, Shri Tikaram Katenge received grievous bullet injuries on the right hand and right shoulder, his dominant hand was incapacitated and heavily bleeding. Sensing grave danger to his colleagues, in spite of grievous injuries, he shifted his rifle position to left hand and continued to retaliate. His unexpected counterattack caught three advancing naxals by surprise. He neutralized all the three Maoists. In spite of fatal injuries, he continued to retaliate further and showed conspicuous bravery. But Maoists, seeing wounded jawans, began to encircle them using accurate BGL fire in order to cause maximum damage. Shri Somay Munde directed his section to provide cover fire while he along with 6 personnel left cover and began crawling to the spot under heavy fire. Through controlled and accurate fire, he and his assault group neutralized six heavily armed Maoists. The officer along with his buddy Shri Ravindra Naitam charged at the remaining Maoists in spite of a volley of bullets flying around. He and Shri Ravindra Naitam laid down accurate fire to neutralize three more Maoists. The Maoists continued to fire indiscriminately at the commandos.

Meanwhile, Shri Somay Munde directed the third group to rush towards the exchange of fire from the left direction. This coordinated flanking movement ensured that Maoists were outflanked. During this flanking maneuver, two Maoists hiding in the nearby bush fired indiscriminately at the flanking jawans in order to achieve surprise. Shri Ravindra Naitam, with utter disregard for personal safety, charged at the two Maoists and neutralized them. During this charge, he received a grazing bullet wound to his head. In spite of shock and bleeding due to the bullet wound, he continued to fire in order to maintain pressure. Meanwhile, seeing his wounded buddy in imminent danger from other Maoists, Shri Munde, with utter disregard for personal safety, left his cover and charged ahead and laid down cover-fire in order to achieve fire superiority. This surprise counter-attack by Shri Munde stunned advancing belligerents. Through spot-on tactical acumen and audacious maneuver, he was able to neutralize two more armed Maoists. This sudden counter attack destroyed morale among the Maoists rank, due to which they retreated from the wounded jawan.

During the search, police found 26 Maoists lying unconscious on the ground. Also 29, firearms and other naxal belonging in huge quantities were recovered from the place of incident.

Shri Somay Vinayak Munde, IPS, Addl. Superintendant of Police, Shri Ravindra Kashinath Naitam, Head Constable, and Shri Tikaram Sampatrao Katenge, Police Naik displayed extraordinary courage; extreme velour and exemplary determination in the face of imminent danger. For their devotion to duty they are awarded "Shaurya Chakra".

S M SAMI
Under Secretary

महाप्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली–110002 द्वारा अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली–110054 द्वारा ई–प्रकाशित
UPLOADED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002
AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054

JAGANATHAN ANANTHA KUMAR